NEWS BULLETIN
मध्य जोन, धनबाद /Central Zone, Dhanbad
भारत सरकार / Govt. of India
श्रम एंव रोजगार मंत्रालय /
Ministry of Labor and Employment
खान सुरक्षा महानिदेशालय
Directorate-General of Mines Safety
सत्यमेव जयते
राष्ट्र की सेवा में 100 वर्ष

मध्य जोन, खान सुरक्षा महानिदेशालय, धनबाद द्वारा आयोजित जागरूकता शिविर

उद्देश्य : खान मजदूरो के बेहतर कुशल कार्य प्रणाली का लक्ष्य प्राप्त करने हेतु सोहार्दपूर्ण वतावरण का निर्माण करना एवं इस जागरूकता शिविर के उपरोक्त कार्यो के द्वारा हमारी प्रतिबद्धता प्रत्येक श्रमयोगी को मदद कर एक राष्ट्र योगी बनाना ताकि वह एक राष्ट्र निर्माता बन सकें।

1. खान सुरक्षा महानिदेशालय द्वारा किये जा रहे कार्यो जैसे निरीक्षण, जांच, अनुमति एवं सुरक्षा उपायों, शर्तो एवं दिशा निर्देशो का खान के निचले वर्ग के कर्मचारीयों तक इनकी जानकारी प्रदान किया गया एवं प्रतिक्रिया प्राप्त किया गया ।

2. निदेशालय को क्रियाकलापों के बारे में सूचित किया गया एवं संभावित कार्य जो इस निदेशालय द्वारा भविष्य में किये जाने है उसका विवरण दिया गया।

3. कुशल एवं सुरक्षित उपायो द्वारा विधि द्वारा दिशा निदेर्श की पुस्तिकाएं खान सुरक्षा महानिदेशालय द्वारा संबंधित मजदूरों को प्रदान किया गया एवं उसका सही ढ़ंग से क्रियान्वयन कराने हेतु निर्देश दिये गए।

4. किसी भी खनन कार्य के पूर्व खान सुरखा महानिदेशालय द्वारा प्रदत चैक–लिस्ट को सभी संबंधित मजदूरों को प्रदान करना एवं उसका सही ढ़ंग से क्रियान्वयन कराने हेतु प्रबंधन को निर्देश दिये गये।

5. रोजगार मंत्रालय द्वारा एक श्रम सुविधा नाम से पोर्टल का निर्माण किया गया है जिसके अन्तर्गत निरीक्षण, जांच की जानकारी एवं प्रतिवेदन प्रेषित करना तथा उससे संबंधित जानकारी तत्पश्चात शिकायतों का निवारण हेतु एक महत्वपूर्ण असान माध्यम जिसका लाभ सभी वर्ग के कर्मचारीगण उठा सकते है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

6. इसी प्रक्रिया द्वारा निरीक्षण एवं जांच सरल एवं पारदर्शी किस प्रकार हो सकता है उसके बारे में सभी वर्ग के कर्मचारीयों एवं अधिकारीयों को विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

7. इसी क्रम में निरीक्षणों का पारदर्शिता एवं जवाबदेही किस प्रकार हो सकता है उसके बारे में जानकारी प्रदान की गई।

8. खान सुरक्षा महानिदेशालय द्वारा विभिन्न सेवाओं के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई।

डीजीएमएस ने किया जागरूकता शिविर आयोजित

भौंरा. खान सुरक्षा महा निदेशालय धनबाद की ओर से टाटा जामाडोबा झरिया डिवीजन के ऑडोटोरियम में बुधवार को जागरूकता शिविर का आयोजन हुआ. उद्घाटन डीजीएमएस केएस बागची, एसके मल्लिक, सच्चिदानंद राय, रंगनागेश्वर, निदेशक आरएन सिंह , टाटा जीएम संजय सिंह, जसवीर सिंह व के वर्मा ने संयुक्त रूप से किया. डीजीजी रंग नागेश्वर ने कहा कि इसका आयोजन मंत्रालय के निर्देश पर खान मजदूरों की कार्य प्रणाली में सुधार के लिए किया जा रहा है. डीजीएमएस 110 वर्षों से खानों व मजदूरों की सुरक्षा के उपायों पर काम कर रहा है. उन्होंने कहा कि निरीक्षण, जांच, अनुमति, सुरक्षा उपाय, शर्तों, दिशा निर्देशों आदि की जानकारी खान के निचले वर्ग के कर्मचारियों तक को दी जानी चाहिए. उन्होंने कहा कि डीजीएमएस व मजदूरों को एक साथ मिल कर काम करना चाहिए, ताकि उत्पादन के दौरान होने वाली दुर्घटना को रोका जा सके. रोजगार मंत्रालय द्वारा एक सरल सुविधा नाम से पोर्टल का निर्माण किया गया. डीजीएमएस जल्द ही ऑन लाइन माइनिंग सरदार, ओवरमैन, मैनेजर की परीक्षा ली जायेगी. मजदूर अपनी शिकायत ऑन लाइन के माध्यम से विभाग को दे सकते हैं. वर्षों का लेखा जोखा मजदूरों के साथ शेयर किया जायेगा.

Prabhat Khabar dt 21/5/18

Dainik Jagran dt 20/5/15

श्रमिक होंगे जागरूक तो कम होगी दुर्घटना

आशीष अंबष्ठ, धनबाद

श्रम मंत्रालय ने देश की खदानों में हादसों की रोकथाम के लिए खनन कर्मियों के बीच खास जागरू कता अभियान चलाने का निर्देश दिया है। सुरक्षा के नाम पर खानापूर्ति करने वाली कोल कंपनियों पर श्रम मंत्रालय का डंडा चलने वाला है। श्रम मंत्रालय की टीम धनबाद दौरे पर आ रही है जो खदानों की सुरक्षा के बारे में जानकारी जुटाने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। वह ठेका मजदूरों को उपलब्ध कराए जा रहे सुरक्षा मापदंड पर भी रिपोर्ट तैयार करेगी।

श्रम मंत्रालय के निर्देश पर डीजीएमएस कोल कर्मियों के लिए विशेष जागरूकता शुरू कर दिया है। डीजी संजीव राय ने कहा कि खनन पद्धति में हो रहे बदलाव के मद्देनजर सुरक्षात्मक कदमों के बारे में विस्तार से बताया जाएगा। खान दुर्घटना में कैसे कमी लायी जाए इसको लेकर कोल इंडिया, टाटा, सेल, समेत सभी खदान कर्मियों के बीच जागरूकता अभियान चलाने को कहा गया है। श्रमिकों के साथ डीजीएमएस व श्रमिकों का दोस्ताना संबंध को और मजबूत करने के लिए किया जा रहा है। इस अभियान में सुरक्षा अधिकारी, पीट सुरक्षा से जुड़े लोगों को शामिल किया गया है।

रिस्क असेसमेंट खुद करे श्रमिक

डीजीएमएस ने श्रमिकों को कार्य क्षेत्र में रिस्क असससमेंट स्वयं करने के लिए कहा गया है। इसके लिए डीजीएमएस ने श्रमिकों के जागरुकता के लिए लीपलेट तैयार किया है। श्रमिकों को अगर किसी प्रकार की दुर्घटना की आशंका होती है तो उन्हें स्वयं रिस्क असेसमेंट करने की जरूरत पर बल दिया जा रहा है।

श्रम मंत्रालय द्वारा जारी निर्देश जो श्रमिकों तक पहुंचना है

- प्रबंधन से जानकारी और प्रक्रिया का प्रसार करना।
- निदेशालय को क्रियाकलापों के बारे में सुचित करना।
- कुशल एवं सुरक्षित उपायों द्वारा विकसीत पीलर ओपन कास्ट विधि द्वारा दिशा निर्देश को डीजीएमएस द्वारा संबंधित मजदूरों को प्रदान करना एवं उसका सही ढंग से क्रियान्वयन कराना।
- किसी भी खनन कार्य के पूर्व डीजीएमएस द्वारा दिए गए चेक–लिस्ट को सभी संबंधित मजदूरों को प्रदान करना एवं उसका सही ढंग से क्रियान्वयन कराना।
- रोजगार मंत्रालय द्वारा एक श्रम सुविधा नाम से पोर्टल का निर्माण किया गया है जिसके अन्तर्गत निरीक्षण, जांच की जानकारी एवं प्रतिवेदन प्रेषित करना तथा उससे संबंधित जानकारी तत्पश्चात शिकायतों का निवारण हेतु एक महत्वपूर्ण आसान माध्यम से सभी वर्ग के कर्मचारीगण उठा सकते है।
- निरीक्षण एवं जांच को सरल एवं पारदर्शी बनाना।

1.0 Awareness Camp Organised at Kusunda Area of M/s.BCCL on 16th May, 2015.

डीजीएमएस की टीम ने कुसुंडा में उत्खनन कार्यों का लिया जायजा

मजदूरों से सीधा संवाद कर जानी समस्याएं. फोटो । प्रभात खबर

पुटकी. डीजीएमएस टीम ने बीसीसीएल के कुसुंडा एरिया अंतर्गत न्यू प्वाइंट आउटसोर्सिंग (डेको) में चल रहे उत्खनन कार्यों में सुरक्षा संबंधी जायजा लिया. इस दौरान मजदूरों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं को जाना तथा सुझाव भी मांगा. इस दौरान डीजीएमएस अधिकारियों ने बताया कि फर्म में अंडर ग्राउंड कोयला उत्पादन के बाद डेवलप गैलरियों के ऊपर खुली उत्खनन चलायी जा रही है. यहां आग एवं धंसान का सदा खतरा बना रहता है. इस दौरान इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल एवं अन्य क्षेत्रों में सुरक्षा के उपायों को विस्तारपूर्वक समझाया गया. मौके पर डीजीएमएस के उप निदेशक संजीवन राय ने बताया कि डीजीएमएस की यह नयी पहल है, जिसमें कोयला उत्पादन में लगे कर्मियों से सीधा संवाद कर डीजीएमएस एवं कर्मियों के बीच गैप को पाटने का काम किया जाता है. उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम सभी क्षेत्रों में चलाया जायेगा. मौके पर कुसुंडा एरिया के जीएम एके सिंह, एजीएम सुनील निगम एके सिन्हा, एके दत्ता, वाइके सिंह, रंजीत उपाध्याय आदि उपस्थित थे.

2.0 Awareness Camp Organised at CV Area of M/s.BCCL on 19th May, 2015.

2009 में मिकी माउस को आवाज देने वाले हॉलीवुड अभिनेता वेन ऑलविन का लॉस एंजिलिस में

Hindustan 20/5/15

सीवी एरिया के बराकर में सुरक्षा जागरुकता पर कार्यक्रम

उत्पादन में सतर्कता जरूरी

कार्यशाला

पंचेत | प्रतिनिधि

खान सुरक्षा महा निदेशालय की ओर से बीसीसीएल सीवी एरिया के क्षेत्रीय कार्यालय (बराकर) समागार में सुरक्षा जागरूकता पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि डीडीजी संजीवन राय ने कहा कि सुरक्षा के लिए स्वयं जागरूक रहना होगा।

कहा कि मानवीय भूल के कारण दुर्घटनाएं होती हैं। दुर्घटना को रोकने के लिए हमें सतर्क रहने की जरुरत है। हमें सुरक्षा को ध्यान में रखकर कोयला उत्पादन करना चाहिए। सुरक्षा के सभी उपकरणों हेलमेट, जूता, फ्लूरोसेंट जैकेट पहनकर काम करने की हिदायत दी। कहा कि अपने दैनिक जीवन में सुरक्षा को अपना कर कई परिवर्तन किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सुरक्षित माहौल में कर्मी कोयला का उत्पादन करें। इसी से कंपनी व कर्मियों दोनों को लाभ होगा।

एक सजग प्रहरी के रूप में अपने आप को स्थापित करना होगा। तभी इस कार्यक्रम की सार्थकता होगी। वेबसाईट से आप शिकायत व गतिविधि प्राप्त कर सकते हैं।

मौके पर के मंडल, एम रेड्डी, नयन सिन्हा, नरेश फूले, एस अंसारी, पी सिंह, अल्ताफ हुसैन, सेफ्टी जीएम टी चक्रवर्ती, सुरक्षा कमिटी सदस्य बीसी नायक, एस सिरंगी, पीएम टी मित्रा, पीओ एस राय आदि उपस्थित थे।

कार्यशाला को संबोधित करते बीसीसीएल के अधिकारी। • हिन्दुस्तान

3.0 Awareness Camp Organised at Jharia Division of M/s.Tata Steel on 20th May, 2015.

जागरूकता शिविर में दी गई महत्वपूर्ण जानकारी

दैनिक भास्कर दिनांक 21/05/2015

टाटा झरिया डिवीजन के ऑडटोरियम में जुटे अधिकारी व कर्मी

टाटा झरिया डिवीजन के जामाडोबा ऑडिटोरियम में बुधवार को डीजीएमएस के द्वारा एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जागरूकता शिविर में टाटा झरिया डिवीजन के अधिकारीगण उपस्थित थे। शिविर में डीजीएमएस द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी गई। बताया गया कि निरीक्षण, जांच, अनुमति एवं सुरक्षा उपायों, शर्तों एवं दिशा निर्देश की पूरी जानकारी खदान में कार्यरत कर्मियों तक कैसे पहुंचाया जाये तथा सुरक्षा से संबंधित ऑन लाइन जानकारी कैसे पाई जा सकती है इसके बारे में बताया गया।

सुरक्षा के दिशा-निर्देश अंतिम कर्मी तक पहुंचे

महाप्रबंधक संजय सिंह ने कहा कि सरकार एवं डीजीएमएस का यह उद्देश्य है कि माइनिंग कार्य सुरक्षा के साथ हो। सुरक्षा के जो भी दिशा निर्देश हैं वो अंतिम कर्मी तक पहुंचे। सुरक्षा से संबंधित संदेश प्रत्येक कर्मियों तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा।

डीजीएमएस द्वारा आयोजित शिविर के दौरान ऑडिटोरियम हॉल में उपस्थित अधिकारी व कर्मी

श्रम सुविधा पोर्टल में मिलेगी आवश्यक जानकारी

बताया गया कि रोजगार मंत्रालय द्वारा एक श्रम सुविधा नाम का पोर्टल का निर्माण किया गया है जिसके अंतर्गत निरीक्षण, जांच की जानकारी एवं प्रतिवेदन प्रेषित करना तथा उससे संबंधित जानकारी प्राप्त करना शामिल है। जानकारी प्राप्त करने के बाद शिकायतों के निवारण हेतु एक महत्वपूर्ण आसान माध्यम जिसका लाभ सभी वर्ग के कर्मचारीगण उठा सकते हैं। जागरूकता शिविर में डीजीएमएस के रंगानेश्वर, संजीवन राय, एस बागची, एसके मंडल, आरएन सिंह, संजय कुमार सिंह, जसबीर सिंह आदि अधिकारी उपस्थित थे।

जागरूकता शिविर में उपस्थित डीजीएमएस के अधिकारी व टाटा के महाप्रबंधक।

मजदूरों के बीच डीजीएमएस ने वितरित की पुस्तिकाएं

माइनिंग की परीक्षा जल्द होगी ऑनलाइन : डीजीएमएस

Dainik Jagran 21/5/15

टाटा डिगवाडीह में डीजीएमएस की ओर से खान जागरूकता शिविर में शामिल अधिकारी

संवाद सहयोगी, जामाडोबा : टाटा झरिया डिवीजन जीएम कार्यालय जामाडोबा सभागार में बुधवार को खान सुरक्षा महानिदेशालय के तत्वावधान में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। निदेशालय के उप निदेशक रंगा नाथेश्वर ने कहा आनेवाले दिनों में महानिदेशालय पूरी तरह से आधुनिक हो जाएगा। माइनिंग की परीक्षा भी आन लाइन होगी। कोई भी श्रमिक आन लाइन महानिदेशालय को शिकायत कर सकता है। सुझाव भी दे सकते हैं।

भारत सरकार के श्रम विभाग के दिशा निर्देश पर कार्य किया जा रहा है। मजदूर यह भी पता लगा पायेंगे कि निदेशालय ने किन-किन खदानों की जांच कर क्या कार्रवाई की। शिविर में प्रोजेक्टर के माध्यम से बताया गया कि कोई भी कंपनी खोलने के पहले किन-किन बिंदुओं की जांच की जाएगी। सुरक्षा के उपक्रम कितने आधुनिक हैं। निदेशक संजीवन राय ने कहा कि झरिया में ज्यादातर खदानें थी डिग्री की हैं। इससे गैस से आग लगने का खतरा बना रहता है। पहले फेस में हवा की उत्तम व्यवस्था हो तभी माइनिंग ब्लास्ट करें। टाटा स्टील के जीएम संजय सिंह ने कहा कि खदानें गहरी होने के कारण हवा की उचित व्यवस्था के लिए टाटा स्टील जल्द ही एयर कंडीशनर खदानें बनाएगा। निदेशक विद्युत एसके मंडल ने कहा कि सुपरवाइजर लूज कनेक्शन नहीं करें। इससे खतरा हो सकता है। आरएन सिंह निदेशक यांत्रिक ने कहा कि खदान में बेल्ट आपरेटर अपने विवेक का पालन कर बेल्ट स्टार्ट करें। ताकि कोई दुर्घटना न हो। इस मौके पर अनेक लोग थे।

इंद्रधनुष अभियान के लिए दिया प्रशिक्षण

बलियापुर : स्वास्थ्य विभाग की ओर से चलाए गए इंद्रधनुष अभियान को लेकर बुधवार को बलियापुर अस्पताल में आंगनबाड़ी सेविकाओं व सहियाओं को प्रशिक्षण दिया गया। सात से 14 जून तक टीकाकरण अभियान को सफल बनाने की अपील की गयी।

4.0 Awareness Camp (Koderma Region) at Dhori Area of M/s.C.C.L. on 20th May, 2015.

बेरमो जागरण

खान सुरक्षा महानिदेशालय ऑनलाइन

- श्रम सुविधा पोर्टल से सभी खदानों का मासिक-वार्षिक विवरण उपलब्ध
- डीएमएस व डीडीएमएस ने दी सीसीएल अधिकारियों को जानकारी

अधिकारियों को जानकारी देते डीडीएमएस व डीएमएस

बैठक. बीएंडके, ढोरी व कथारा के सीसीएल कर्मियों को डीएमएस ने दी सेवाओं की जानकारी

एक साल में 108 निरीक्षण और 38 जांच

डीडीएमएस ने किया माइंस का निरीक्षण

5.0 असंगठित क्षेत्र के पत्थर खानों में कार्यरत श्रमिको हेतु जागरूकता शिविर दिनांक 21.05.2015

क्रशर मजदूरों को दी सुरक्षा संबंधी जानकारी

बरवाअड्डा. खान सुरक्षा महानिदेशालय की ओर से गुरुवार को अपना ढाबा में आयोजित जागरूकता शिविर में स्टोन क्रशर उद्योग के मजदूरों को सुरक्षा संबंधी जानकारी दी गयी. स्टोन क्रशर मालिक संगठन द्वारा आयोजित शिविर में डीजीएमएस के उप महानिदेशक ने कहा कि क्रशर उद्योग माइनिंग के अंतर्गत आता है. कार्य के दौरान मजदूरों को जख्मी होने का खतरा बना रहता है. क्रशर में काम करने वाले मजदूरों को क्रशर मालिक द्वारा टोपी, दस्ताना, बूट, मास्क एवं जैकेट आदि की सुविधा उपलब्ध करायें. इन किट को पहन कर मजदूर काम करते हैं तो जख्मी होने की संभावना कम रहती है. शिविर में एक मजदूर को किट पहना कर उसके फायदे समझाये. शिविर को एसके मंडल, आरएन सिंह, एस अंसारी, अल्ताफ हुसैन, नयन सिन्हा, राकेश मिश्रा, प्रदीप कुमार साहू आदि ने भी संबोधित किया. शिविर में मन्नु आलम, जगदीश सिंह सहित दर्जनों क्रशर मालिक एवं मजदूर उपस्थित थे.

जागरूकता शिविर में जानकारी देते डीजीएमएस के उप महानिदेशक. फोटो। प्रभात खबर

Feedback received from Target Groups:

- Encouraging except the target groups wish to have Awareness Camp at the mine site to create awareness covering more number of workpersons.
- Role of Safety Committee and role of Workmen's Inspectors to be made more effective
- इस तरह के जागरूकता के कार्यक्रमों को आयोजन निरंतर होना चाहिए जिससे खान मालिको, श्रमिकों एवं डी.जी.एम.एस. के बीच की दूरीयॉ कम हो सके और लोग भय के माहौल में नहीं बल्कि सौहादपूर्ण वातावरण में खनन कार्य कर सके।
- Awareness Camp should be organised at regular interval to create effective awareness in order to achieve ZERO ACCIDENT POTENTIAL (ZAP)